कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या.... 1599947

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words)

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय समाजशास्त्र

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 13-03-20

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 167/2020

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1	अनुसुचित जाति शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम साइमन कमीशन ने किया था।
	2.	भारत में सर्वप्रथम जनगणना 1872 में हुई।
	3.	प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या को लिंगानुपात कहा जाता है। $$\text{लिंगानुपात} = \frac{\text{स्त्रियों की जनसंख्या}}{\text{पुरुषों की जनसंख्या}} \times 1000$$
	4.	जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त का सिद्धान्त थॉमस रॉबर्ट माल्थस ने स्पष्ट किया।
	5.	(i) ग्रेटर मुम्बई (ii) दिल्ली
	6.	राजस्थान में पंचायतीराज की शुरुआत 2 अक्टूबर 1959 को नागौर जिले से हुई।
	7.	नगर-नियोजन के सम्बन्ध में मेगस्थनीज ने भारत के पाटलीपुत्र नगर का उदाहरण प्रस्तुत किया।
	8.	जनसंचार की दो इकाईयाँ → (i) संदेश (ii) लक्ष्य

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

9. शुद्धि आंदोलन → धर्म परिवर्तन कर चुके हिन्दुओं को पुनः हिन्दू धर्म में लाना शुद्धि आंदोलन है।

10. भगत आंदोलन का मुख्य केन्द्र मानगढ़ का पहाड़ था।

11. संबंधों के आधार पर परिवार दो प्रकार के होते हैं →
(i) रक्त या जन्म संबंधी परिवार।
(ii) विवाह संबंधी परिवार।

12. भारतीय संविधान की धारा 29 से लेकर 30 तक तथा 350A से 350B में अल्पसंख्यकों का विवरण दिया गया है।

13. जॉब चारनॉक नामक अंग्रेजी व्यापारी ने सन् 1690 में हुगली नदी के तट के तीन गाँव गोविन्दपुर, सुतानुती पट्टे पर लिये थे। तथा इन्हें आकर्षक व्यापारिक केन्द्र बनाए।

14. लॉबी → दबाव समूह की गतिविधियाँ लॉबी नाम से जानी जाती है। लाबी एक अमेरिकी शब्द है। यह सदन के भीतर गतिविधियों को इंगित करती है। विधायक व सदस्य द्वारा संसद के भीतर विकास

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

के बारे में चर्चा लॉबी नाम से जानी जाती है विदेशी तकनिशियों के प्रतिनिधि विदेशी लॉबी के रूप में कार्य करते है।

15 अमृत मिशन के मुख्य उद्देश्य →
(i) शहरों में बुनियादी सुविधाएँ तथा जल आदि उपलब्ध करवाना।
(ii) सेप्टिक टैंकों की यांत्रिक व जैविक सफाई।
(iii) सीवर शोधन संयंत्रों की भूमिगत प्रणाली विकसित करना।

16 भारतीय समाज में कर्म तीन प्रकार के बताए गए हैं →
(i) संचित कर्म → वे कर्म जो व्यक्ति द्वारा पूर्व जन्म में किये गये है, संचित कर्म है।
(ii) प्रारब्ध कर्म →
पूर्व जन्म में किये गये कर्मों का फल जिन्हें व्यक्ति वर्तमान में भुगत रहा है प्रारब्ध कर्म है।
(iii) क्रियमान कर्म →
वर्तमान समय में किये जाने वाले ~~क्रमों~~ कर्मों का संचय हो रहा है, क्रियमान ~~क्रम~~ कर्म है। व्यक्ति का पुनर्जन्म इन्हीं क्रियमान कर्मों पर निर्भर है।

17 धार्मिक विविधता →
भारत बहुधर्मीय राष्ट्र है। यहां पर विभिन्न धर्मों के लोग रहते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

भारत का प्राचीनतम धर्म हिन्दु धर्म है। हिन्दु धर्म से ही जैन, बौद्ध, सिक्ख धर्मों की उत्पत्ति हुई है। भारत में यहुदी व पारसी भी निवास करते हैं। स्थानीय शासकों एवं विदेशी आक्रान्ताओं ने बड़े पैमाने पर भारत में यहुदी तथा इस्लाम धर्म के अनुयायी बनाये। इस प्रकार भारत एक बहुधर्मीय राष्ट्र बन गया। भारत की धार्मिक विविधता इतिहास में इसके लिए काफी खराब रही है तथा देश की अखंडता भंग हुई है। धर्म के आधार पर ही भारत से पाकिस्तान अलग हुआ।

BSER-167/2020

18 **जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्दान्त** →

प्रथम, तकनीकी रूप से पिछड़े एवं अल्पविकासित देशों में जन्म दर तथा मृत्यु दर दोनों उच्च थी। तथा दोनों में अन्तर न्यून था। जनसंख्या की गति मन्द थी।

द्वितिय, पोष्टिक आहार व चिकित्सा सुविधा के कारण विकासशील देशों में जन्म दर में वृद्दि हुई तथा मृत्यु दर निम्न हुई फलस्वरूप जनसंख्या तीव्र गति से बड़ी। यह चरण जनसंख्या का विस्फोटक चरण रहा।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

तृतीय विकसित देशों में जन्म व मृत्यु दर दोनों निम्न थी। तथा दोनों में न्यूनतम अन्तर था। जसे जनसंख्या वृद्धि स्थिर रही।

20 आधुनीकीकरण की विशेषताएं →
(i) वैज्ञानिकता का प्रसार
(ii) नगरीकरण में वृद्धि
(iii) प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि।

19 (i) पितृसत्तात्मक समाज का होना → भारतीय समाज पितृसत्तात्मक समाज है, यहाँ परिवार का मुखिया लड़का होता है तथा लड़की की स्थिति काफी नीची है जिसके परिणामस्वरूप लिंगानुपात गिरा है।
(ii) लड़कों को प्राथमिकता देना → हमारे देश में लड़कों को प्राथमिकता दी जाती है तथा बालिकाओं को घर का बोझ समझा जाता है तथा लड़कों को वंश आगे बढ़ाने वाला माना जाता है।
(iii) बालिकाओं की गौण स्थिति → हमारे देश में बालिकाओं की स्थिति गौण तथा काफी नीची परिस्थिति होने के कारण बालिकाओं को इतना महत्व नहीं दिया जाता है तथा कन्या - जन्म को रोक दिया जाता है।

21 भारत में पश्चिमीकरण का प्रभाव जीवन के सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पर पड़ा है। पश्चिमीकरण के फलस्वरूप धार्मिक क्षेत्रों में धार्मिक कठोरता लुप्त हुई है। तथा धर्मनिरपेक्षीकरण निरन्तर बढ़ी है। सामाजिक क्षेत्रों में पश्चिमीकरण का प्रभाव पड़ा जिससे लोगों के भोजन करने की पद्धति में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है तथा नातेदारी संबंध कमजोर हुए है तथा आर्थिक क्षेत्रों में भी पश्चिमीकरण का प्रभाव पड़ा है। इसी प्रकार लोगों के पहनावे तथा व्यवहार में परिवर्तन पश्चिमीकरण के फलस्वरूप हुआ है।

23 (i) भूमि की कमी → भूमि की कमी होने के कारण शहरी क्षेत्रों में आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रमुख बाधा है। शहरों व नगरों में भूमि की कमी होने के कारण आवासों का सही तरीके से निर्माण नहीं होता है।

(iii) वित्त की कमी →

शहरों में आवास सुविधा उपलब्ध कराने में प्रमुख बाधा वित्त की कमी है। धनाभाव में हम आवासों का निर्माण नहीं कर सकते हैं। लोन देने वाली कम्पनी भी आसानी से लोन नहीं देती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iii) निर्माण सामग्री की कीमतों में वृद्धि → शहरी आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाने में निर्माण सामग्री कीमतों में वृद्धि होना प्रमुख कारण है। आवास निर्माण के समय निर्माण सामग्री की कीमतों में प्रतिदिन वृद्धि होती रहती है जिससे शहरी आवासीय उपलब्धता में बाधा उत्पन्न होती है।

24 नगरीय समाज में विकास के मुद्दे →

(i) जल प्रबंधन →
शहरी या नगरीय समाज के विकास का प्रमुख मुद्दा जल प्रबंधन है। हमें नगरीय विकास के लिए जल का उचित प्रबंधन करना चाहिए। जल एक ऐसा तत्व है जिसका संग्रहण धीरे होता है अतः हमें जल का सुनियोजित उपयोग करना चाहिए।

(ii) ऊर्जा प्रबंधन →
ऊर्जा प्रबंधन नगरीय विकास का एक प्रमुख मुद्दा है। हमें नगरीय विकास के लिए ऊर्जा का प्रबंधन करना चाहिए। ऊर्जा संसाधनों पर बढ़ते दबाव से शहर के लिए ऊर्जा संसाधनों के रूप में नये साधनों की खोज करनी चाहिए तथा पवन व सौर ऊर्जा की शहर कचरों से भी ऊर्जा प्राप्त करने की सुविधा विकसित

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

करने का प्रयास करना चाहिए।
(iii) सामाजिक व सांस्कृतिक संसाधनों का उचित उपयोग →
हमें नगरीय समाज के विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रयोग करना चाहिए तथा सांस्कृतिक संसाधनों का भी उचित उपयोग करना चाहिए।

25 बालश्रमिक अधिनियम 1986 →
बालश्रम की समस्या के रोकथाम के लिए यह अधिनियम पारित किया गया।
बालश्रमिक अधिनियम का उद्देश्य →
बालश्रमिक अधिनियम का उद्देश्य 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को कुछ रोजगार हेतु रोका जाये।
बालश्रमिक अधिनियम 1986 के दौरान बच्चे निम्न स्थानों पर कार्य नहीं कर सकते हैं →
(अ) (i) रेलवे द्वारा या माल या डाक सम्बंधी कार्य।
(ii) बन्दरगाह पर कार्य की मनाही।
(iii) रेलवे की स्थानों को साफ करना व कोयले के टुकड़े बीनना।
(iv) रेलवे परिसर के समीप निर्माण कार्य में मनाही।
इसके अतिरिक्त निम्न कार्यों को भी इन्हें कार्य हेतु रोका गया है →
(ब) कालीन बुनना, सीमेंट बनाना, दियासलाई

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उद्योग, कपड़ो की रंगाई व छपाई, अभ्रक कारना भवन निर्माण आदि।

बालश्रमिक अधिनियम संशोधन मई, 2015 →

बालश्रमिक अधिनियम 1986 को मई, 2015 में संशोधित किया गया है। इसमें बच्चो जोखिमरहित निम्न कार्य फिल्म संबंधी, विज्ञापन, खेल संबंधी (सर्कस को छोड़कर) कार्य विद्यालय समय के बाद कर सकते है।

29 (1) विशेष योग्यजन छात्रवृति योजना →

इस योजना का प्रारंभ सन् 1981 में किया गया इस योजना के अन्तर्गत अल्प आय वर्ग का प्रतिभावन छात्र जिससे परिवार की आय दो लाख रुपये से कम है। उसके लिये फीस पुनर्भरण की सुविधा प्रदान की गयी है।

(2) गार्गी पुरस्कार योजना →

इस योजना का प्रारम्भ सन् 1998 में हुआ था। इस योजनान्तर्गत ज्ञान्ट द्वारा आयोजित कक्षा - 8 में पंचायत समिति तथा जिला मुख्यालय पर प्रथम आने पर कक्षा 9 व 10 में नियमित रूप से अध्ययनरत रहने पर 1000 रुपये व प्रमाण पत्र दिया जाता है।

(3) शारीरिक असमतायुक्त बालिकाओं हेतु सबलता योजना →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इस योजना में शारीरिक रूप से विकलांग एवं मूक बधिर छात्राओं को राजकीय मान्यता प्राप्त संस्थानों में कक्षा 9 से 12 में नियमित रूप से अध्ययन रत रहने पर 2000 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है

(4) कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय योजना → इस योजना का प्रारम्भ सन् 2005-06 में हुआ था। इसके अन्तर्गत 200 के.जी.बी.वी. खोले गये 186 के.जी.बी.वी. शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में तथा 14 के.जी.बी.वी. अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में खोले गये। इसके अन्तर्गत अनुसुचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा बीपीएल अल्पसंख्यको परिवार की बालिकाओं को उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा आवासीय सुविधा सहित उपलब्ध करायी जायेगी।

(5) ग्रामीण बालिकाओं के लिए ट्रांसफर वाउचर योजना → इस योजनान्तर्गत ग्रामीण बालिकाओं को माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक तक की शिक्षा हेतु ट्रांसफर वाउचर दिया गया। जिसमें ग्रामीण बालिकाओं को लाने ले जाने की सुविधा प्रदान की गई। निवास क्षेत्र से विद्यालय की दूरी 5 किमी. तथा न्यूनतम बालिकाओं का समूह होना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(6) 65 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति योजना →

इस योजना में राजस्थान माध्य० शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा में 65 % से अधिक अंक लाने वाली छात्राओं हेतु एकमुश्त 5000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है।

(7) मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना →

इस योजना के तहत राजस्थान माध्य. शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12 में 75% से अधिक अंक लाने वाली छात्राओं व छात्रों को 500 रुपये महीने, 5000 वार्षिक 5 वर्षों तक दिये जायेंगे। यह योजना उन छात्राओं के लिए है जो कोई दूसरी छात्रवृत्ति न प्राप्त करता हो। यह योजना सन् 2012 में शुरू हुई।

(8). निःशुल्क साईकिल वितरण योजना →

यह योजना सन् 2015-16 में प्रारम्भ की गई जिसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं द्वारा कक्षा 9 में नवीन प्रवेश लेने पर प्रदान की जाती है।

---

30 बिजौलिया किसान आंदोलन →

घटनाक्रम →

बिजौलिया किसान आंदोलन की शुरुआत सन् 1916 में हुई थी। महाअकाल के कारण किसानों पर संकट के बादल

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मंडराने लगे। इस समय किसानों पर दोहरी मार पड़ी। एक तरफ प्राकृतिक प्रकोप तथा दूसरी तरफ ठिकानेदारों द्वारा भारी मात्रा में कर वसूलना प्रभावित होने से किसानों ने पलायन किया तथा शेष बच्चे किसानों ने विद्रोह कर दिया। इस आंदोलन के जनक विजयसिंह पथिक थे। तथा अग्रणी नेता साधु सीताराम दास, तथा माणिक्यलाल वर्मा थे। शासन व्यवस्था का संचालन जागीर प्रथा से हो रहा था। ब्रिटिश सामन्तशाही चरम पर थी। किसानों पर भारी मार पड़ी। उस समय किसानों को जाग्रत किया गया। तथा मालगुजारी पर भारी मात्रा में कर वसूला जा रहा था। ऐसा माना जाता है कि किसानों से मुख्य रूप से 84 प्रकार के कर वसूले जा रहे थे। स्थानीय जमींदार भी किसानों का शोषण कर रहे थे क्योंकि उन्हें स्थानीय अधिकारियों का साथ था। पथिक ने ग्राम स्तर पर किसान पंचायत की शाखा खोली। किसान पंचायतों ने भूमिकर अधिभार नहीं देने का निर्णय किया। किसानों को दबाने का प्रयास किया जाने लगा। 1920 में पथिक ने राजस्थान सेवा संघ की स्थापना की जिससे आंदोलन और अधिक प्रभावी हो गया। ब्रिटिश सरकार किसान पंचायत बोर्ड से वार्ता हेतु तैयार

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

दी गई। वार्ता के लिए ए. जी. जी. हॉलेण्ड को नियुक्त किया गया। ब्रिटिश सरकार ने किसानों से बातचीत की तथा किसानों के पक्ष में निर्णय दिया।

27 नगरीकरण का भारतीय समाज पर प्रभाव →

(i) व्यवसायों की बहुलता एवं भिन्नता → नगरीकरण के फलस्वरूप व्यवसायों में परिवर्तन हुआ है। व्यवसायों की मात्रा में वृद्धि हुई है। नगरीकरण के कारण व्यवसायों की बहुलता तथा भिन्नता में परिवर्तन आये।

(ii) जजमानी प्रथा की समाप्ति → नगरीकरण के कारण जो पूर्व में जजमानी व्यवस्था थी। उसका विघटन हुआ है। जजमानी प्रथा की समाप्ति के कारण सेवा के बदले वस्तुविनिमय का स्थान मुद्राविनिमय ने ग्रहण कर लिया है।

(iii) अस्पृश्यता की कमी → नगरीकरण के फलस्वरूप अस्पृश्यता की भावना में कमी आयी है। जातिगत भेदभाव दूर हुआ है। वर्तमान में अस्पृश्यता की कमी के कारण उच्च जाति तथा निम्न जाति के लोग एक ही होटल में भोजन करते हैं।

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(4) जातिवादी भावना में अभिवृद्धि → नगरीकरण के फलस्वरूप जातिवादी भावना में अभिवृद्धि हुई शिक्षित लोगों ने अपनी जाति की एक व्यवस्था बनाई है तथा जातिगत भेदभाव बढ़ा है।

(5) मेधा पलायन → नगरीय जीवन शैली तथा शिक्षा, रोजगार से आकर्षित होकर ग्रामीण समाज के मेधावी युवक नगरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

(6) अर्थ पलायन → नगरीकरण की प्रक्रिया के दौरान ग्रामीण लोग नगरों की सुविधाओं से आकर्षित हो रहे हैं। तथा नगरों में रहने के लिए आवास निर्माण हेतु धन को खर्च कर रहे हैं।

(7) विश्वव्यापीकरण → नगरीकरण के फलस्वरूप विश्वव्यापीकरण बढ़ा है। तथा विश्वव्यापीकरण से विकास सम्भव हुआ है।

(8) परिवार की प्रकृति → नगरीकरण के कारण संयुक्त परिवार का विघटन हुआ है तथा एकल परिवार बढ़े हैं। इस प्रकार नगरीकरण से परिवार की प्रकृति में परिवर्तन हुआ है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

26 धार्मिक अल्पसंख्यक →

वे समुह या धर्म के लोग जो बहुसंख्यक से संख्या में कम हो। जिसकी भाषा, संस्कृति आदि बहुसंख्यक से भिन्न हो; धार्मिक अल्पसंख्यक कहलाते है। जिसकी संख्या या जिस धर्म की संख्या 8 प्रतिशत से कम हो, उसे अल्पसंख्यक माना जाता है।

हमारे देश में अल्पसंख्यक को कितने प्रतिशत से कम जनसंख्या वाला माना जाता है इसके बारे में कुछ कहा नहीं गया है।

धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए किये गये उपाय →

(i) संविधान द्वारा समायोजित प्रयास →

(i) संविधान में अल्पसंख्यको को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया है। उन्हें अपनी संस्कृति, भाषा आदि बनाये रखने की स्वतंत्रता दी गई है।

(ii) संविधान द्वारा उन्हें मदरसा शिक्षा हेतु स्वतंत्रता प्रदान की गई तथा मदरसा शिक्षा हेतु वित्तिय सहायता प्रदान की गई।

(iii) अल्पसंख्यको के लिए राज्य द्वारा कोई विभेद नहीं किया गया तथा समानता प्रदान की गई है।

BSER-16/7/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

* अल्पसंख्यक आयोग →

अल्पसंख्यकों की भाषा, संस्कृति तथा स्वरूप को बनाये रखने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग 1992 अधिनियमित किया गया। इसमें अल्पसंख्यक उनको माना गया है जो केन्द्र सरकार द्वारा अधिसुचित हो।

* सच्चर समिती → अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए सच्चर समिति का गठन दिल्ली न्यायालय के पूर्व न्यायधीश राजेन्द्र सच्चर द्वारा सात सदस्यीय सच्चर समिति के गठन 2005 मे किया गया है। इस समिति के द्वारा अल्पसंख्यकों को को शिक्षा शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के बारे में जाना जाता है।

* धार्मिक अल्पसंख्यकों हेतु अन्य योजनाएँ →

अल्पसंख्यको के विकास हेतु केन्द्र सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चलायी जा रही है। जिससे की धार्मिक अल्पसंख्यको को संरक्षण तथा सुधार लाया जा सकता है। तथा उनकी सामाजिक आर्थिक तथा सांस्कृतिक स्थिति को ऊपर उठाया जा सके।

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

28 पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा ग्रामीण समाज में हुए परिवर्तन

(i) महिला सशक्तिकरण →
पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा ग्रामीण समाज की महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है। उन्हें पंचायतीराज व्यवस्था या संस्थाओं में 33 प्रतिशत स्थान उनके लिए आरक्षित किया गया है। जिससे की महिलाएँ जागरूक हुई हैं व उनका सशक्तिकरण हुआ है।

(ii) ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार →
पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवनस्तर में सुधार आया है। ग्रामीण क्षेत्रों का विकास हुआ है। तथा ग्रामीण लोगों के लिए बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होने के कारण उनके जीवन स्तर में काफी आमूलचूल परिवर्तन हुआ है।

(iii) स्वास्थ्य सुविधाओं एवं स्वच्छता → पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता का महत्व बढ़ा है तथा लोगों में स्वच्छता को लेकर काफी जागरूक हुई है। पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास के कारण लोगों के स्वास्थ्य में परिवर्तन आया है तथा स्वच्छता बढ़ी है।

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(4) नीची जाति का महत्व बढ़ा →

पंचायती राज संस्थाओं में नीची जाति के लोगों की स्थिति को ऊँचा उठाने के लिए अनेक प्रयास किये गये हैं। नीची जाति के लोगों को एक तिहाई (33%) आरक्षण पंचायती-राज संस्थाओं में दिया गया है जिससे कि उनका महत्व बढ़ा है।

(5) जागरूकता तथा शिक्षा में वृद्धि →

पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा लोगों में जागरूकता उत्पन्न हुई है। लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हुए हैं। तथा उनमें शिक्षा का प्रचार-प्रसार होने के कारण उनकी स्थिति में काफी सुधार आया है। वे अपने राजनैतिक कर्तव्यों व अधिकारों के प्रति जागरूक हुए हैं।

(6) निर्माण कार्य में वृद्धि →

पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा गाँवों में सड़क सम्बन्धी, आवास संबंधी निर्माण कार्य किये जाते हैं। जल की आवश्यकताओं को दूर करने के लिए जल के टैंकरों का निर्माण कराया व विद्यालय निर्माण हुए हैं।

BSER-167/2020

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ISER-167/2020

22 (1) धार्मिकता में कमी →

श्रीनिवास ने स्पष्ट किया है कि जैसे-जैसे धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया बढ़ती है वैसे-वैसे धार्मिकता में कमी आती है तथा धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया निरन्तर बढ़ती है।

(2) तार्किक चिंतन पर अधिक बल →

ग्रामीण जैसे-जैसे तार्किक चिंतन की भावना में वृद्धि होगी धर्मनिरपेक्षीकरण बढ़ेगा। धर्म ग्रामीण लोगों के विश्वास के केन्द्र होते है। तार्किक चिंतन पर अधिक बल होने के कारण धर्मनिरपेक्षता बढ़ेगी।

(3) विभेदीकरण की प्रक्रिया →

~~श्रीनिवा~~ श्रीनिवास ने स्पष्ट किया है कि जैसे-जैसे अलौकीकरण की प्रक्रिया कम होती है वैसे-वैसी विभेदीकरण की प्रक्रिया बढ़ती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-16/2020